Cambridge Assessment International Education
Cambridge International General Certificate of Secondary Education

CANDIDATE NAME

CENTRE NUMBER | CANDIDATE NUMBER

9180384284

HINDI AS A SECOND LANGUAGE **0549/01**

Paper 1 Reading and Writing **February/March 2019**

2 hours

Candidates answer on the Question Paper.

No Additional Materials are required.

READ THESE INSTRUCTIONS FIRST

Write your centre number, candidate number and name on all the work you hand in.
Write in dark blue or black pen.
Do not use staples, paper clips, glue or correction fluid.
DO **NOT** WRITE IN ANY BARCODES.

Answer **all** questions.

The number of marks is given in brackets [ ] at the end of each question or part question.

This document consists of **14** printed pages and **2** blank pages.

KI 164853/3
© UCLES 2019

Cambridge Assessment International Education

अभ्यास 1

'सीलमपुर बस्ती में शिक्षा का प्रभाव' आलेख को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

उत्तर भारत में सीलमपुर गाँव की बस्ती, आये दिन होने वाली चोरी, डकैती और हत्या जैसी वारदातों के कारण, कुख्यात थी। संध्या के समय अन्धेरा होते ही बस्ती के लोग, ख़ास करके लड़कियाँ घर से बाहर निकलने से डरती थीं। कुछ वर्ष पहले जब दिल्ली की नगरपालिका ने राजधानी की सफ़ाई अभियान के तहत शहर से झुग्गियों को हटाने की योजना बनाई तो उन झुग्गियों में रहने वालों के लिए सीलमपुर में रहने के लिए मकान बनवा कर उन्हें वहाँ स्थानांतरित कर दिया।

नये आए लोगों में एन जी ओ में काम करने वाले प्रबोधकुमार भी थे। उनका विश्वास था कि इन सारे अपराधों का मूल कारण बस्ती में फैली अशिक्षा और बेरोज़गारी है। रोज़गार बढ़ाने और अपराध कम करने के लिए शिक्षा आवश्यक है। उन्होंने बस्ती के बच्चों को पढ़ाना शुरू किया। उनकी वर्षों की प्रतिबद्धता और लगन के फलस्वरूप आज सीलमपुर की पहचान ही बदल गई है।

इस बस्ती के अधिकतर लोग रिक्शा चालक, सफ़ाईकर्मी या सडकों पर फेरी लगाने वाले हैं और पीढ़ी दर पीढ़ी से यही करते आ रहे हैं। लेकिन अब उनके बच्चे बड़े होकर अपने पुश्तैनी काम की जगह उच्च शिक्षा प्राप्त करके अच्छी नौकरी या व्यवसाय कर रहे हैं। जो लड़कियाँ पहले संध्या समय घर से बाहर निकलने से डरती थीं वे अब निर्भीक रूप से अपनी शिक्षा पूरी करके स्कूलों, अस्पतालों या ऑफिसों में काम कर रही हैं। उनके आत्मविश्वास के पीछे एक लम्बा संघर्ष और कठिन परिश्रम है।

शगुफ्ता को आज भी दिल्ली की झुग्गी में बिताया अपना बचपन याद है। आसपास की झुग्गियों में रहने वाले बच्चों के साथ धूल और गंदगी की अंधेरी दुनिया में समय बिताते समय उसने कभी कल्पना भी नहीं की थी कि इसके बाहर कोई और दुनिया भी हो सकती है। शगुफ्ता के पिता सड़कों पर फेरी लगाने का काम और माँ घर-घर जाकर साफ़-सफ़ाई करने का काम करती हैं। एन जी ओ की सहायता से शगुफ्ता ने बी ए पास कर लिया है। शुरू-शुरू में पढ़ाई करने के लिए उसको कठिन संघर्ष करना पड़ा था। बड़ा भाई उसके आगे पढ़ने के विरुद्ध था और घर में बड़े भाई की ही चलती थी। किसी तरह से भाई को राजी करके उसने कॉलेज में दाख़िला तो ले लिया पर फ़ीस भरने की समस्या आई। शगुफ्ता ने बच्चों को ट्यूशन पढ़ाकर फ़ीस के पैसे जमा कर अपनी पढ़ाई पूरी की। वह यह जानती है कि शिक्षा एक ऐसा पासपोर्ट है जिसके द्वारा वह सीलमपुर की बस्ती से निकलकर एक स्वतंत्र नागरिक का जीवन बिता सकती है। वह भविष्य के लिए आशावान है!

1 सीलमपुर किस कारण से बदनाम था?

.... [1]

2 लोगों को सीलमपुर के मकानों मे रहने के लिए क्यों भेजा गया?

.... [1]

3 बस्ती में रहने वाले अधिकतर लोगों का क्या पेशा था? कोई **दो** लिखिए।

- ....
- .... [2]

4 लड़कियों की सोच में शिक्षा का क्या प्रभाव पड़ा?

.... [1]

5 बचपन में शगुफ्ता अपने भविष्य के बारे में क्या सोचती थी?

.... [1]

6 शगुफ्ता को अपने उद्देश्य पूर्ति के लिए किन **2** रुकावटों का सामना करना पड़ा?

- ....
- .... [2]

[Total: 8]

© UCLES 2019

अभ्यास 2

'स्वास्थ्य और कोलेस्टेरॉल' के बारे में छपे इस लेख को ध्यान से पढ़ें। प्रश्न 7 से 15 का उत्तर देने के लिए उनके नीचे दिए गए अनुच्छेदों (A से D) में से सही अनुच्छेद चुन कर उसके सामने के कोष्ठक में सही का निशान लगाएँ। अनुच्छेदों को एक से अधिक बार चुना जा सकता है।

A कोलेस्टेरॉल एक मोमी पदार्थ है जो हमारे शरीर के लिए अति आवश्यक है। यह हमारे शरीर में जिगर के अंदर बनता है और शरीर की हर कोशिका में पाया जाता है। इसके अलावा यह कुछ खाद्य पदार्थों में भी पाया जाता है। स्वस्थ रहने के लिए आवश्यक विटामिन डी, कुछ हॉरमोन एवं भोजन पचाने में सहायक पित्त को सक्रिय रखने के लिए शरीर में कोलेस्टेरॉल का होना ज़रूरी है। हमारे शरीर में बचपन से ही कोलेस्टेरॉल बनने लगता है। किंतु इसकी मात्रा ज़रूरत से अधिक बढ़ जाने पर स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ सकने की संभावना होती है।

B कोलेस्टेरॉल दो प्रकार के होते हैं - ऐल डी ऐल जो प्राय: 'खराब कोलेस्टेरॉल' के नाम से जाना जाता है और ऐच डी ऐल जो अपने सुरक्षात्मक प्रभाव के कारण प्राय: 'अच्छे कोलेस्टेरॉल' के नाम से जाना जाता है। शरीर में ऐल डी ऐल कोलेस्टेरॉल की अधिकता स्वास्थ्य के लिए हानिप्रद है। यह रक्त की धमनियों की दीवार से चिपक कर उन्हें सकरा कर सकता है जिसकी वजह से रक्त संचार में रुकावट पैदा होती है। ऐच डी ऐल अर्थात अच्छा कोलेस्टेरॉल शरीर की धमनियों से चिपक कर उनको सख्त और सकरा करने के बजाय रक्त संचार के द्वारा जिगर में वापस एकत्र हो जाता है जहाँ से वह चूर होकर अथवा मलमूत्र के द्वारा शरीर से बाहर निकल जाता है। स्वस्थ रहने के लिए इन दोनों कोलेस्टेरॉलों के अनुपात में संतुलन रखना आवश्यक है। दोनों कोलेस्टेरॉलों के स्तर की जानकारी रखकर हृदय रोग के खतरे को समझने में सहायता मिल सकती है। रक्त में ऐल डी ऐल और ऐच डी ऐल कोलेस्टेरॉल की मात्रा की जानकारी रक्तजाँच द्वारा की जा सकती है।

C शरीर में कोलेस्टेरॉल की मात्रा बढ़ने के कई कारण होते हैं। उनमें से एक मनुष्य की जीन अर्थात वंश का प्रभाव है जो अपने माता पिता से विरासत में मिलता है। कुछ लोग इसी कारण स्वास्थ्य के नियमों का पालन करने के बावज़ूद उच्च कोलेस्टेरॉल के शिकार होते हैं। इसके अतिरिक्त जीवन शैली और आहार, शारीरिक वज़न, लिंग (स्त्री या पुरुष), उम्र, जातीयता और पूर्व रोगों के इतिहास का भी योगदान होता है। इन सभी को ध्यान में रखकर चिकित्सक रक्त में कोलेस्टेरॉल की बढ़ी हुई मात्रा से होने वाले खतरे को कम करने के लिए स्टैटिन नामक दवा लेने का परामर्श देते हैं।

D ऐसा देखा गया है कि भूमध्यसागरीय देशों में रहने वाले लोग उत्तरी यूरोपीय और दक्षिण पूर्व एशिया के देशों की तुलना में हृदय रोग से कम पीड़ित होते हैं। उसके पीछे उनकी परम्परागत जीवन शैली मानी जाती है। भूमध्यसागरीय देशों के निवासियों के भोजन में मुख्य रूप से ताज़ी सब्जियाँ, फल, मोटे अनाज की रोटी, दालें, मटर, फलियाँ, मेवे, बीज मछली आदि रहते हैं। वे मक्खन अथवा मार्जरीन की जगह जैतून अर्थात ऑलिव के तेल से खाना पकाते हैं। जलवायु की उष्णता और मछली खाने के कारण उनका शरीर विटामिन डी से पुष्ट रहता है। चिकित्सकों के अनुसार भूमध्यसागरीय आहार शैली को अपना कर हृदयरोग, मधुमेह और रक्तचाप की बीमारियों से बचाव संभव हो सकता है। इसके अलावा सक्रिय जीवन शैली और नियमित व्यायाम से कोलेस्टेरॉल के बढ़ने पर रोकथाम की जा सकती है।

नीचे दिए गए वक्तव्यों (7–15) को पढ़िए तथा कोष्ठक में सही ☑ का निशान लगा कर बताइए कि कौन सा अनुच्छेद (A–D) किस वक्तव्य से सम्बंधित है।

उदाहरण:

कौन सा अनुच्छेद

कोलेस्टेरॉल एक चिकना पदार्थ है।

A ☑ B ☐ C ☐ D ☐

7 बुरा कोलेस्टेरॉल धमनियों में खून के प्रवाह को कम कर देता है।

A ☐ B ☐ C ☐ D ☐ [1]

8 शरीर में कोलेस्टेरॉल का स्तर वंश से निर्धारित होता है।

A ☐ B ☐ C ☐ D ☐ [1]

9 ऐच डी ऐल कोलेस्टेरॉल धमनियों से चिपकने की जगह शरीर से बाहर निकल जाता है।

A ☐ B ☐ C ☐ D ☐ [1]

10 कसरत करते रहने से कोलेस्टेरॉल को बढ़ने से रोका जा सकता है।

A ☐ B ☐ C ☐ D ☐ [1]

11 अच्छे और बुरे कोलेस्टेरॉल के अनुपात में संतुलन रखना ज़रूरी है।

A ☐ B ☐ C ☐ D ☐ [1]

12 ताज़े फल और हरी सब्ज़ियाँ स्वास्थ्यप्रद-आहार का हिस्सा हैं।

A ☐ B ☐ C ☐ D ☐ [1]

13 कोलेस्टेरॉल को दवा से नियंत्रित किया जा सकता है।

A ☐ B ☐ C ☐ D ☐ [1]

14 उत्तरी यूरोप में रहने वाले लोग भूमध्यसागरी देशों के निवासियों की तुलना में दिल की बीमारी के अधिक शिकार होते हैं।

A ☐ **B** ☐ **C** ☐ **D** ☐ [1]

15 कोलेस्टेरॉल जिगर में बनता है।

A ☐ **B** ☐ **C** ☐ **D** ☐ [1]

[Total: 9]

© UCLES 2019

BLANK PAGE

अभ्यास 3

'ऑर्किड' के बारे में निम्नलिखित आलेख को ध्यानपूर्वक पढ़िए।

ऑर्किड का फूल अपनी अप्रतिम सुंदरता और रंगों की विविधता के लिए प्रसिद्ध है। ऐसा माना जाता है कि वनस्पति-परिवार में ऑर्किड की सबसे ज़्यादा प्रजातियाँ पाई जाती हैं। विश्व में लगभग 25 हज़ार किस्म के ऑर्किडों की गणना की गई है और अभी भी वनस्पति-शास्त्री नये-नये ऑर्किड की खोज करते रहते हैं। ऑर्किड के लिए कहा जाता है कि उसको उगाना, कठिन है क्योंकि उसके लिए सूरज की छनी हुई रोशनी और नम आबोहवा ज़रूरी है। ऑर्किड के पौधे प्राय: घर के अंदर लगाए जाते हैं और उनके फूल गुलदस्तों में सजावट के लिए उपयोग होते हैं।

यह सच है कि अलग-अलग देशों में ऑर्किड के बारे में भिन्न-भिन्न धारणाएँ हैं। किंतु उनमें एक समानता यह है कि सभी ऑर्किड के फूल, विशेषकर सफ़ेद ऑर्किड को प्रेम, सौंदर्य, उर्वरता, सुरुचि, आकर्षण और मासूमियत का प्रतीक मानते हैं।

महारानी विक्टोरिया के राज्यकाल में इंग्लैण्ड में ऑर्किड को विलासिता का प्रतीक मानते थे। संभवत: इसका कारण फूल की दुर्लभता रहा होगा। जापान के शाही परिवार में ऑर्किड को ऐश्वर्य का प्रतीक मानते थे। प्राचीन काल में चीन के चिकित्सक इससे सर्दी, खाँसी और श्वास सम्बन्धी रोगों के इलाज की औषधि बनाते थे। ग्रीस में प्रचलित कहावत के अनुसार ऑर्किड के फूल खाने से पुत्र जन्म की आकांक्षा रखने वाली स्त्री की मनोकामना पूरी हो सकती है। भारतवर्ष में ऑर्किड से हृदय रोग और क्षय रोग के उपचार की आयुर्वेदिक औषधि बनाते हैं।

भारतवर्ष में ऑर्किड की सबसे अधिक प्रजातियाँ पाई जाने का कारण वहाँ की जलवायु की विविधता है। एक ओर उत्तर में हिमालय के शिखर पर बर्फ की चादर बिछी रहती है और दूसरी ओर दक्षिण में उष्णकटिबन्ध की जलवायु मिलती है। दक्षिण और पूरब दिशा के पहाड़ी जंगलों में ऑर्किड की अनगिनित प्रजातियाँ पाई जाती हैं। उन सभी प्रजातियों का वर्गीकरण करके भविष्य में उनके संरक्षण के लिए भारत तथा यूके के क्यू गार्डेन के वनस्पतिशास्त्री उनकी सूची बना रहे हैं। प्राकृतिक आवास के अनुसार ऑर्किड के तीन वर्ग हैं - टेरेस्ट्रिअल या धरती पर उगने वाले ऑर्किड, जिनकी जड़ें मिट्टी के नीचे रहती हैं, लिथोफिटिक, या चट्टानों पर उगने वाले जो बाहरी वातावरण से पोषण लेते हैं और एपीफिटिक या वायुभक्षी ऑर्किड जो वृक्ष के तनों में उगते हैं और वायुमण्डल से पोषित होते हैं। भारत में अधिकांश ऑर्किड इसी श्रेणी के होते हैं। जंगल-कटाई से उनका अस्तित्व भी खतरे में है।

ऑर्किड के फूलों की विशेषता उनके अलग-अलग रंगों में बताई जाती है। उनमें सबसे दुर्लभ नीला ऑर्किड है जिसका सम्बन्ध आध्यात्मिकता और ध्यान से जोड़ा जाता है। यह केवल आसाम और हिमालय की पहाड़ियों में 900-1500 फीट की ऊँचाई पर उगता है। यही कारण है कि इसका दूसरा नाम हिमालय का ऑर्किड है। हिंदुओं के विश्वास के अनुसार यह पवित्र फूल देवताओं को चढ़ाने योग्य है। गुलाबी रंग का ऑर्किड स्त्री की शालीनता और मासूमियत, बैंगनी रंग राजसिक सम्मान, प्रशस्ति एवं गरिमा; लाल रंग अभिलाषा, उमंग, धीरता और शक्ति; पीला रंग आनंद और नवीन शुरुआत के साथ मैत्री का द्योतक माने जाते हैं। नारंगी रंग गर्व, साहस और उत्साह तथा हरा ऑर्किड प्रकृति, सुंदर स्वास्थ्य और दीर्घ जीवन का प्रतीक है।

'ऑर्किड' आलेख के आधार पर नीचे दिए गए प्रत्येक शीर्षक (16–19) के अंतर्गत संक्षिप्त नोट लिखें।

16 ऑर्किड के फूल की लोकप्रियता के कारण

- ....
- .... [2]

17 ऑर्किड के पौधे के लिए उपयुक्त दशा

- ....
- .... [2]

18 औषधि के रूप में ऑर्किड के फूल के कोई 2 उपयोग

- ....
- .... [2]

19 नीले, नारंगी और बैंगनी रंग के ऑर्किड की विशेषताएँ

- ....
- ....
- .... [3]

[Total: 9]

अभ्यास 4 में आप आलेख और अपने नोट्स के आधार पर 'ऑर्किड' शीर्षक लेख का सारांश लिखेंगे।

© UCLES 2019

अभ्यास 4

20 ‘ऑर्किड’ शीर्षक आलेख और अभ्यास 3 में बनाए अपने नोट्स के आधार पर उसके विभिन्न उपयोग, अस्तित्व पर खतरे और संरक्षण के सारांश अपने शब्दों में लिखें।
आपका सारांश अधिकतम **100 शब्दों** में होना चाहिए।

आप यथासंभव **अपने शब्दों** में लिखें।

आपको *अंतर्वस्तु के लिए* अधिकतम **4** अंक और ***सटीक एवं संक्षिप्त भाषा-शैली के लिए*** अधिकतम **6** अंक दिये जाएंगे।

ऑर्किड की उपयोगिता, खतरे और संरक्षण के उपाय

[10]

[Total: 10]

अभ्यास 5

21 आप सोशल मीडिया पर अपने एक मित्र से मिले हैं। उनसे आपकी मुलाकात सालों बाद हुई है। आप उन्हें एक ई-मेल लिखें। आपके ई-मेल में निम्नलिखित बातें सम्मिलित होनी चाहिए।

- मित्र से जुड़ी हुई कोई याद
- सोशल मीडिया पर उनसे मिलकर आपको कैसा लगा
- उनसे व्यक्तिगत रूप से मिलने के लिए लिखें।

आपका ई-मेल लगभग 120 शब्दों में होना चाहिए। आपको ई-मेल का पता लिखने की आवश्यकता **नहीं** है।

आपको **3** अंक अंतर्वस्तु के लिए और **5** अंक ***सटीक*** भाषा और शैली के लिए दिए जाएंगे।

[8]

[Total: 8]

अभ्यास 6

22 क्या पैसों से जीवन की खुशियाँ खरीदी जा सकती हैं?

आप कहाँ तक इस मत से सहमत हैं। अपने विचारों को समझाते हुए स्कूल पत्रिका के लिए अपना लेख **लगभग 200** शब्दों में लिखिए। आपका लेख विषय से संबंधित जानकारी पर केन्द्रित होना चाहिए।

पैसे से मन की सभी इच्छाएं
पूरी की जा सकती हैं।

पैसे से सब कुछ नहीं
खरीदा जा सकता है।

ऊपर दी गई टिप्पणियाँ आपके लेखन के लिए दिशा प्रदान कर सकती हैं। इनके माध्यम से आप अपने विचारों को विस्तार दीजिए।

लिखित प्रस्तुति पर अंतर्वस्तु के लिए 8 अंक तक और सटीक भाषा के लिए भी 8 अंक तक दिए जाएंगे।

[16]

[Total: 16]

BLANK PAGE

Permission to reproduce items where third-party owned material protected by copyright is included has been sought and cleared where possible. Every reasonable effort has been made by the publisher (UCLES) to trace copyright holders, but if any items requiring clearance have unwittingly been included, the publisher will be pleased to make amends at the earliest possible opportunity.

To avoid the issue of disclosure of answer-related information to candidates, all copyright acknowledgements are reproduced online in the Cambridge Assessment International Education Copyright Acknowledgements Booklet. This is produced for each series of examinations and is freely available to download at www.cambridgeinternational.org after the live examination series.

Cambridge Assessment International Education is part of the Cambridge Assessment Group. Cambridge Assessment is the brand name of the University of Cambridge Local Examinations Syndicate (UCLES), which itself is a department of the University of Cambridge.